

(Consult
Panch)

DPNS401

Title: पाण्डव गीता / PĀṆḌAVA-GĪTĀ

Run. No. 6092

Cat. No. 44

Micro. No.

Subject गीता / Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17.8 x 7.9

Folios 11

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. / mixed.

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyaśaphu / yellow

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

इदं पवित्रमयुष्यं पुष्यं पुष्यं पापप्रनाशनं।

दुस्वप्ननाशनं स्तोत्रं पाण्डवैः परिकीर्तितं ॥ - - - -

गीता यः पठते नित्यं - - - -

0 CM 5 10 20 25 30 35 40

P. Colephom:-

॥ ११॥ कृष्ण उवाच ॥ ॥ मत्पुत्रं ब्रवीमि मनुजैः सोऽयमुर्ध्वं बाहु, यो मा मुकुन्दं नर
सिंहजना ईहेति ॥ जीवं २ अष्टौतीनुदिनं, मम नाम मात्रं वैकुण्ठ वासनि
यतांसं रवण प्रयाति ॥ ३७ ॥ ॥

Remark

गोविन्द अर्चन श्रीकृष्णाय गुण चर्का हस्त



गर्हि ३॥ ४७ ॥ यमदग्नि उवाच ॥ ॥ नित्यात्मवत्वं
यथा नित्यं श्रानित्यमर्गं लीयं वा कृदि स्नात गगनं
मगलाय गनाहनि ॥ ४८ ॥ ॥ तत्र द्वान उवाच ॥
लातलं वाजयल्ल वा कृत्तलं वायला जय ॥ यथा मिदि
वदास्याभा हृदयल्ला जनाईन ॥ ४९ ॥ ॥ जेतमो वा ॥

॥ जमकाटिदानं ग्रह (सपुकासि माधप्रयागी जगकल्य
वासि समेन समरल्यहि द्यदाने ॥ जमविन्द २ तारलं ना
॥ ४९ ॥ ॥ कृति उवाच ॥ ॥ जमविन्द तिसदात्मानं ॥ जमविन्द
तिसदाजयी ॥ जमविन्द तिसदाधुमनं ॥ जमविन्द तिसदाकीर्त्त
नात ॥ ५० ॥ ॥ वशिष्ठ उवाच ॥ ॥ कृष्ण तिसगलं नाम

गमनप्राप्ति ॥ ५५ ॥ पुनर्युक्ता च ॥ हजिकानसमानसः
सबदामधुनप्रिया ॥ अविदनामयिष्युषं यिवजि
नननं ॥ ५६ ॥ यासोवाच ॥ सत्यं सत्यं पुनस्त्य
सत्यं वाग्विदनाप्रवात ॥ नास्ति वदत्ययसास्तु नदव
कं वास्तुत ॥ ५७ ॥ माकल्यउवाच ॥ स्व

गदमाकुदीदवं सुखदीजगताग्नकथं मद्रुमयिगं
वासुदेवनचिन्तयत् ॥ ५८ ॥ अगस्त्यउवाच ॥ निमिषं
निमिषादीमाप्राणाविष्णुविचिन्तयत् ॥ प्रप्रश्नकृत्तु
प्रयागं निमिषं वनं ॥ ५९ ॥ वामदेवउवाच ॥ निमि
षं निमिषादीमायस्मत्तन्निजनादन ॥ कृत्तुकारि सह

15
10
5
0
CM 5 10 20 25 30 35
प्राप्तं न लभेत् न कलैव यत् ॥ ५५ ॥ ॥ शुक्र उवाच ॥ ॥
आलाकसर्वं मम विचार्य वपुनः पुनः ॥ ५६ ॥ दमकं
सनिष्पन्नं कया नागसदृशं ॥ ५७ ॥ ॥ सर्वं ब्रह्मादयाद
वा जगद्यथा धना ॥ कीर्तयन्ती धनसुखं सर्वं नाना
यत्नवित् ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

नामनी ॥ दुष्टपुना ॥ नमस्तु ॥ यादुवंशे ॥ यत्र कीर्तिर्न ॥ ॥
५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

गजिर्जगतां न नास्मि तस्मादहं धन्यतमस्मि लोके ॥
विदुः उवाच ॥ वासुदेवस्य यत्कृत्वा तस्मात्मानसा ॥ तस्य
दासस्य दासाहं तव जन्मनि जन्मनि ॥ २० ॥ तीष्ठा उवाच ॥ वि
यनीतु कालम् यन्मिच्छात्तावत्तु ग्राहिनी कृपाया कृच्छ्र
श्च न नागतवत्सल ॥ २१ ॥ द्रोण उवाच ॥ यथेहावक्रधनं न

15
गदाधनायनमामुत्तमोयुक्तात्तमाय॥२४॥ गन्धायवाच॥ त्व
मवमाताययिता त्वमववन्धुस्वस्वात्तमव। त्वमवविद्याद्र
विसंलभमवत्तमवसर्वममदवदव॥२५॥ इयाधनउवाच
जानामिधर्मनरमप्रवृत्तिं जानामिपापनरननिवृत्तिं। के
नापिदवाहदयस्त्रिग्राय नमस्कृतमिह यथाकामे॥२६॥

॥ ॥ जनुस्यग्नदाधन। जतिगुत्तयुक्तात्तम
महं जनुत्तवानजनिममदावानंदियते॥२७॥ इयदउ
वाच॥ यत्तमानन्देगमविन्दु माधवानन्दकेधव। विष्णु। कृष्ण
हवीक० वासुदेवनमात्मनः॥२८॥ जयद्रथउवाच॥
नमः० कृष्णाय० द्वायत्रकनननमस्तुयथायिस्वतायय।

१५
१०
५
०
CM 5 10 20 25 30 35
गमयत्तामहं गच्छं गतः ॥ ३१ ॥ विक्रुद्ध उवाच ॥ ॥ कृष्णाय
वासुदेवाय देवकी नन्द नायना नन्द ॥ गमयत्तामहं गच्छं गतः ॥
विन्दाय नमो नमः ॥ ३२ ॥ इति श्रुत्वा उवाच ॥ ॥ नमो नमः
कल्याण नमस्तु विष्णवे नमः ॥ वासुदेवाय नमः ॥ यती
नायतय नमः ॥ ३३ ॥ विनाथा उवाच ॥ ॥ नमो नमः ॥

यत्तामहं गच्छं गतः ॥ जगद्धिताय कृष्णाय ॥ गमयत्तामहं गच्छं गतः ॥
यनमो नमः ॥ ३४ ॥ ॥ सत्य उवाच ॥ ॥ नमो नमः ॥ सत्य उवाच ॥
संवीत वासुदेवाय नमः ॥ गमयत्तामहं गच्छं गतः ॥ नमो नमः ॥
यत्तामहं गच्छं गतः ॥ ३५ ॥ ॥ वल्लभ उवाच ॥ ॥ कृष्णाय
लाह्य मगतिनां गतिर्ह्यसंसारार्थं यमगतां ॥

13

ら

0

CM

5

10

20

25

30

31

